Nai Dunia (Indore), 31st October 2015, City Live, Page – 24

आईआईटी में हुई काव्यगोष्ठी

'डोरी है इक प्रेम की उसके हम दो छोर'

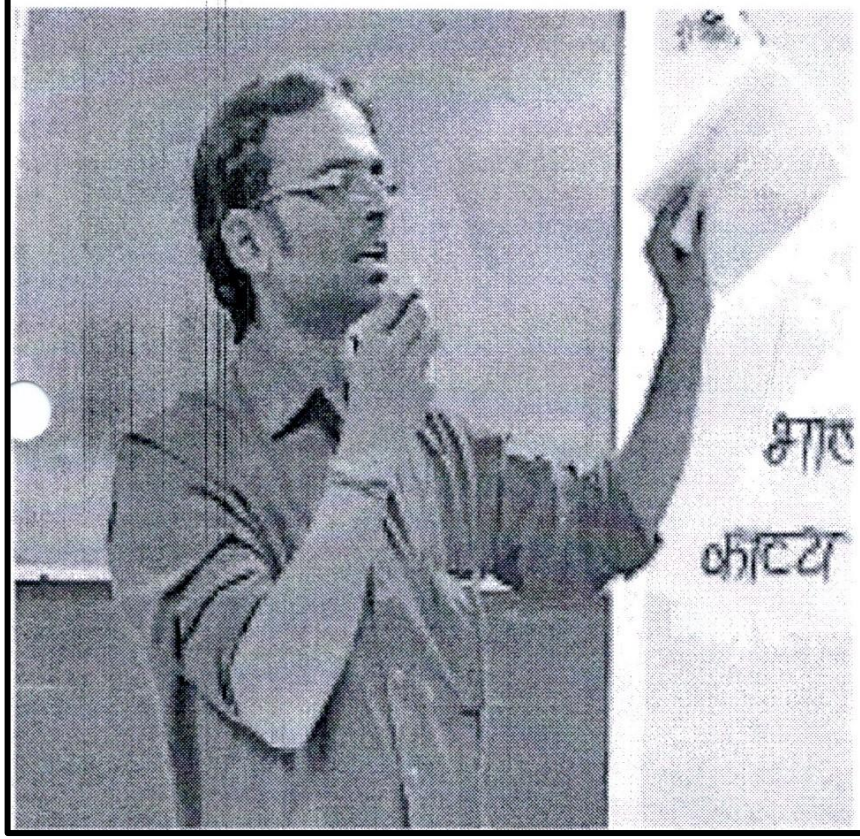

इंदौर। आईआईटी के महू रोड स्थित पीएसीएल कैंपस में शुक्रवार शाम काव्यगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें महू, उज्जैन और इंदौर के जाने-माने कवियों के साथ-साथ चयनित स्टूडेंट्स ने भी अपनी चुनिंदा रचनाएं पेश कीं।

हिंदी संस्था के समिति के प्रमुख अवधेश कुमार शर्मा ने करवाचौथ के मौके पर खासतौर पर 'संभालकर रखा है अभी तक जवानी में, चांद जो आता था बचपन की कहानी में' रचना सुनाई। महू की खुशबू चौधरी ने कविता 'खो गई हूं मैं' से दाद बटोरी तो उज्जैन के हिमांशु परूहा ने भी दिल छूती पंक्तियों से खूब रंग जमाया। मगर सबसे ज्यादा तालियां प्रेमसागर के गीत 'टीस उठे उस ओर से शूल चुभे इस ओर, डोरी है इक प्रेम की उसके हम दो छोर' के हिस्से में आईं।

विष्णु अवस्थी, पियूष जोशी, अंकर सक्सेना, राजेंद्र, सौरभ यादव समेत आईआईटी के करीब 20 स्टूडेंट्स ने भी अपनी रचनाएं सुनाईं। संचालन हरिमोहन कुशवाह ने किया।